बौद्धिक सम्पदा अन्य संपत्ति अधिकार की तरह, जो प्रकृति में अमूर्त हैं : कंबोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप (सीआईआईपी) के सौजन्य से मंगलवार को 'बौद्धिक सम्पदा पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा विशिष्ट अतिथि थे। भारत सरकार के कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क के उपनियंत्रक समीर कुमार स्वरूप कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

कुलपति ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकार किसी भी अन्य संपत्ति अधिकार की तरह हैं जो प्रकृति में अमूर्त हैं। वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नए विस्तारों के खुलने के साथ, 'बौद्धिक पूंजी' वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। विभिन्न देशों में विशिष्ट विधान हैं, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून और संधियां हैं, जो आईपी अधिकारों को नियंत्रित करती हैं। कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में सभी विषयों इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, एप्लाईड साईंस, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और यहां तक कि साहित्य तक शिक्षण और प्रशिक्षण होना चाहिए।

मुख्य वक्ता समीर कुमार स्वरूप ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा देश की सामाजिक-आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रचनात्मकता और नवाचार विश्व अर्थव्यवस्था के नए चालक हैं। वक्ता डॉ. जितेंद्र शर्मा ने पेटेंट खोज एवं विश्लेषण, शुरुआती लोगों के लिए पेटेंट प्रारूपण, पेटेंट योग्य विषय वस्तु, पेटेंट निर्माण के लिए रोडमैप, कब प्रकाशित किया जाए और कब पेटेंट कराया जाए, के बारे में बताया। वक्ता मनीष सोयल ने भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट दाखिल करने के बाद की आवश्यकताओं और पेटेंट दस्तावेज को कैसे पढ़ा जाए, इस पर कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला में 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

'बौद्धिक सम्पदा पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप (सीआईआईपी) के सौजन्य से मंगलवार को 'बौद्धिक सम्पदा पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा विशिष्ट अतिथि थे। भारत सरकार के कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क के उपनियंत्रक समीर कुमार स्वरूप कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। भारत सरकार के कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क के सहायक नियंत्रक डॉ. जितेंद्र शर्मा व पेटेंट परीक्षक मनीष सोयल कार्यशाला के वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता सीआईआईपी के निदेशक प्रो. एच.सी. गर्ग ने की। सीआईआईपी के उपनिदेशक प्रो. दीपक केडिया ने कार्यशाला का समन्वयन किया।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकार किसी भी अन्य संपत्ति अधिकार की तरह हैं जो प्रकृति में अमूर्त हैं। आईपी अधिकार आमतौर पर क्रिएटर को एक निश्चित अवधि के लिए उसके निर्माण के उपयोग पर एक विशेष अधिकार देते हैं। वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नए विस्तारों के खुलने के साथ, 'बौद्धिक पूंजी' वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। विभिन्न देशों में विशिष्ट विधान हैं, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून और संधियां हैं, जो आईपी अधिकारों को नियंत्रित करती हैं।

कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में सभी विषयों इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, एप्लाईड साईंस, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और यहां तक कि साहित्य तक शिक्षण और प्रशिक्षण होना चाहिए। मानव प्रयास की सभी शाखाओं में बौद्धिक सम्पदा का जन्म होता है। हमारे देश में नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की प्रमुख भूमिका है। मुख्य वक्ता समीर कुमार स्वरूप ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा देश की सामाजिक-आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वक्ता डॉ. जितेंद्र शर्मा ने पेटेंट खोज एवं विश्लेषण, शुरुआती लोगों के लिए पेटेंट प्रारूपण, पेटेंट योग्य विषय वस्तु, पेटेंट निर्माण के लिए रोडमैप, कब प्रकाशित किया जाए और कब पेटेंट कराया जाए, के बारे में बताया। वक्ता मनीष सोयल ने भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट दाखिल करने के बाद की आवश्यकताओं और पेटेंट दस्तावेज को कैसे पढ़ा जाए, इस पर कार्यशाला को संबोधित किया। प्रो. एच.सी. गर्ग ने कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं में आईपीआर के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक होगी।

इंटलैक्चुअल प्रोपर्टी राईटस आईपीआर की स्थिति में सुधार की आवश्यकता

हिसार, 21 फरवरी (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि भारत में इंटलैक्चुअल प्रोपर्टी राईटस आईपीआर की स्थिति में सुधार की अत्यंत आवश्यकता है। भारत की ओर से पेटेंट दाखिल करने में विश्वविद्यालयों का योगदान केवल सात प्रतिशत है। जबकि पेटेंट दाखिल करने में विश्वविद्यालयों का अग्रणीय भूमिका निभानी चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार गुरुवार को विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीच्यूट पार्टनरशिप(सीआईआईपी) के सौजन्य से 'पेटेंट फाइलिंग एंड प्रोटेक्शन ऑफ इंटलैक्चुअल प्रोपर्टी राईटस' विषय हुई कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो: हरभजन बंसल इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग हरियाणा, पंचकुला की हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता सीआईआईपी के निदेशक एवं कार्यशाला के संयोजक प्रो. एच.सी. गर्ग ने की।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

समाज और उद्योगों के लिए उपयोगी हो शोधार्थी का शोध : कुलपति

[illegible]जाला ब्यूरो

हिसार। [illegible] विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय [illegible] फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट [illegible] की ओर से 'इंटलेकच्युअल [illegible] पेटेंट्स विषय पर राष्ट्रीय [illegible] का आयोजन किया गया।

[illegible] जीजेयू के कुलपति प्रो. [illegible] ने कहा कि तकनीक [illegible] भौगोलिक आधार पर मनुष्य [illegible] है जिसके ऊपर शोध की [illegible] है। शोधार्थी द्वारा किया [illegible] समाज और उद्योगों के लिए [illegible] पंजाब [illegible] चंडीगढ़ के [illegible] एके [illegible] अटोर्नी, ज्योति कुमारी [illegible] रंजना सिंह मुख्य [illegible] रहे। कार्यशाला के [illegible] तथा कोआर्डिनेटर प्रो. दीपक केडिया हैं।

जीजेयू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो. एके सहलपाल।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोधार्थी को विपणन योग्य उत्पादन को ध्यान में रखते हुए शोध करना चाहिए। अपने शोध में ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आप द्वारा किया गया शोध समाज में कितना योगदान देगा। शोधार्थी को अच्छे शोध के लिए शोध विधि तथा शोध तकनीकों का उचित प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधार्थी को सांख्यिकीय विधियों को सही [illegible] शोध में प्रयोग करना चाहिए, ताकि शोध के परिणामों का समाजहित में प्रयोग किया जा सके। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल ने 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड कंसल्टेंसी इन यूनिवर्सिटी सिस्टम' पर विशेष व्याख्यान दिया। विशेष व्याख्यान में प्रो. एके सहजपाल ने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आईपीआर अटार्नी ज्योति कुमारी ने 'सिस्टम्स ऑफ प्रोटेक्शन' आईपीआर वीद ए फोक्स ऑन पेटेंट' व 'पेटेंटिंग मिस्टेक्स एंड चैलेंजेज फेस्ड बाए रिसर्च' पर विशेष व्याख्यान दिया। पेटेंट्स अटार्नी रंजना सिंह ने 'स्ट्रेटजीज फॉर एफिशिएंट पेटेंट्स सर्चिंग' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप सैल के निदेशक व कार्यशाला कोआर्डिनेटर प्रो. एचसी गर्ग ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र रखे गए, जिसमें चार मुख्य व्याख्यान हुए। कार्यशाला में 150 शिक्षकों, शोधार्थी व विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के को-कोऑर्डिनेटर प्रो. दीपक केडिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

अमर उजाला. 31-1-19

कार्यक्रम | गुजवि में इंटलेकच्युअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

तकनीकी परिस्थितियों और भौगोलिक आधार पर बदलता है इंसानी स्वभाव, इस पर शोध जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीक परिस्थितियों और भौगोलिक आधार पर मनुष्य का स्वभाव बदलता है। जिसके ऊपर शोध की बहुत आवश्यकता है। शोधार्थी द्वारा किया जाने वाला शोध समाज और उद्योगों के लिए उपयोगी होना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय की सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीच्यूट पार्टनरशिप सेल द्वारा 'इंटलेकच्युअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

गुजवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के मुख्य वक्ता को सम्मानित करते कोर्डिनेटर प्रो. एचसी गर्ग एवं अन्य।

कुलपति ने कहा कि शोधार्थी को विपणन योग्य [illegible] को ध्यान में रखते हुए शोध करना चाहिए। अपने शोध में ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आप द्वारा किया गया शोध समाज में कितना योगदान देगा। इस दौरान पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल, आईपीआर अटॉर्नी ज्योति कुमारी व पेटेंट्स अटॉर्नी रंजना सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डाटा संग्रहण शोध में निभाते हैं अहम भूमिका: पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल ने इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी एंड कंसल्टेंसी इन यूनिवर्सिटी सिस्टम पर विशेष व्याख्यान दिया। विशेष व्याख्यान में प्रो. एके सहजपाल ने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तथ्य विश्लेषण यदि सही नहीं होगा तो परिणाम भी त्रुटिपूर्ण होंगे। आईपीआर अटोर्नी ज्योति कुमारी ने 'सिस्टम्स ऑफ प्रोटेक्शन आईपीआर वीद ए फोक्स ऑन पेटेंट' व 'पेटेंटिंग मिस्टेक्स एंड चैलेंजेज फेस्ड बाए रिसर्चर्स' पर विशेष व्याख्यान दिया। पेटेंट्स अटोर्नी रंजना सिंह ने 'स्ट्रेटेजीज फॉर एफिशिएट पेटेंट्स सर्चिंग' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीच्यूट पार्टनरशिप सेल के निदेशक व कार्यशाला कोर्डिनेटर प्रो. एचसी. गर्ग ने बताया कि कार्यशाला में 150 शिक्षकों, शोधार्थी व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

5
दैनिक जागरण - 31-1-19

तकनीक, परिस्थितियों व भौगोलिक आधार पर बदलता है स्वभाव, इस पर शोध हो : टंकेश्वर

कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र रखे चार मुख्य व्याख्यान हुए, 150 शिक्षकों, शोधार्थी व विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीक परिस्थितियों व भौगोलिक आधार पर मनुष्य का स्वभाव बदलता है। इस पर शोध की बहुत आवश्यकता है। शोधार्थी का शोध समाज और उद्योगों के लिए उपयोगी होना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार जीजेयू की सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनशिप सैल ने 'इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि कहे। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल, आईपीआर अटॉर्नी, ज्योति कुमारी व पेटेंट्स अटॉर्नी रंजना सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला के कॉर्डिनेटर प्रो. एचसी गर्ग हैं और को-कॉर्डिनेटर प्रो. दीपक केडिया रहे। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल ने 'इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड कंसल्टेंसी इन यूनिवर्सिटी सिस्टम' पर विशेष व्याख्यान दिया।

आईपीआर अटॉर्नी ज्योति कुमारी ने 'सिस्टम्स ऑफ प्रोटेक्शन आईपीआर वीद ए फोक्स ऑन पेटेंट' व 'पेटेंटिंग मिस्टेक्स एंड चैलेंजेज फेस्ड बाए रिसर्चर्स' पर विशेष व्याख्यान दिया। पेटेंट्स अटॉर्नी रंजना सिंह ने 'स्ट्रेटजीज फॉर एफिशिएंट पेटेंट्स सर्चिंग' विषय पर वक्तव्य दिया। सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप सैल के निदेशक व कार्यशाला कॉर्डिनेटर प्रो. एचसी. गर्ग ने बताया राष्ट्रीय कार्यशाला में हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग हरियाणा सरकार द्वारा विशेष सहयोग दिया। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र रखे गए जिसमें चार मुख्य व्याख्यान हुए। कार्यशाला में 150 शिक्षकों, शोधार्थी व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर · 31-1-19

शोध कार्य उपयोगी होना जरूरी : प्रो.टंकेश्वर

हिसार, 30 जनवरी (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वि.वि. के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीक परिस्थितियों व भौगोलिक आधार पर मनुष्य का स्वभाव बदलता है। जिसके ऊपर शोध की बहुत आवश्यकता है। शोधार्थी द्वारा किया जाने वाला शोध समाज तथा उद्योगों के लिए उपयोगी होना चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार वि.वि. की सैंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीच्यूट पार्टनर्शिप सैल द्वारा 'इंटलेकच्युअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोधार्थी को विपणन योग्य उत्पादन को ध्यान में रखते हुए शोध करना चाहिए। पंजाब वि.वि., चण्डीगढ़ के प्रो. ए.के. सहजपाल ने 'इटलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड कंसल्टेंसी इन यूनिवर्सिटी सिस्टम' पर विशेष व्याख्यान दिया।

आईपीआर अटोर्नी ज्योति कुमारी ने 'सिस्टम्स ऑफ प्रोटेक्शन आईपीआर वीद ए फोक्स ऑन पेटेंट' व 'पेटेंटिंग मिस्टेक्स एंड चैलेंजेज फेस्ड बाए रिसर्चर्स' पर विशेष व्याख्यान दिया। पेटेंट्स अटोर्नी रंजना सिंह ने 'स्ट्रेटजीज फॉर एफिशिएट पेटेंट्स सर्चिंग' विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

'इंटलेक युअल प्रोपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स' पर राष्ट्रीय कार्यशाला

शोध समाज व उद्योगों के लिए हो उपयोगी : टंकेश्वर कुमार

- डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। गुजवि में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीक परिस्थितियों व भौगोलिक आधार पर मनुष्य का स्वभाव बदलती है। जिस पर शोध की बहुत आवश्यकता है।

शोधार्थी द्वारा किया जाने वाला शोध समाज तथा उद्योगों के लिए उपयोगी होना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय की सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप सैल द्वारा 'इंटलेक युअल प्रोपर्टी राइट्स एंड पेटेंट्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के प्रो. एके सहजपाल, आईपीआर अटोर्नी, ज्योति कुमारी व पेटेंट्स अटोर्नी रंजना सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला के कोर्डिनेटर प्रो. एचसी गर्ग है तथा को-कोर्डिनेटर प्रो. दीपक केडिया है। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. ए.के. सहजपाल ने 'इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी एंड कंसल्टेंसी इन यूनिवर्सिटी सिस्टम' पर विशेष व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि डाटा संग्रहण व डाटा विश्लेषण शोध में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तथ्य विश्लेषण यदि सही नहीं होगा तो परिणाम भी त्रुटिपूर्ण होंगे।

आईपीआर अटोर्नी ज्योति कुमारी ने 'सिस्टम्स ऑफ प्रोटेक्शन आईपीआर वीद ए फोकस ऑन पेटेंट' व 'पेटेंटिंग मिस्टेक्स एंड चैलेंजेज फेस्ड बाए रिसर्चर्स' पर विशेष व्याख्यान दिया। पेटेंट्स अटोर्नी रंजना सिंह ने 'स्ट्रेटेजीज फॉर एफिशिएट पेटेंट्स सर्चेज' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप सैल के निदेशक व कार्यशाला कोर्डिनेटर प्रो. एचसी गर्ग ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया।

हरिभूमि 31-1-19

हमें इनोवेशन, इनक्यूबेशन और स्टार्ट-अप पर ध्यान देना होगा : प्रो. टंकेश्वर

हिसार| जीजेयू के सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से आइपी-अवेक : पेटेंट फाइलिंग, प्रोसिक्यूशन, एनफोर्समेंट इन इंडिया एंड कॉमर्शियलाइजेशन विषय पर एक दिवसीय वेबिनार हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार वेबिनार के मुख्यातिथि थे। कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एनआरडीसी विशाखापटनम के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं ऑफिसर इंचार्ज डॉ. बिजया के साहू और हरियाणा सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। सेंटर के निदेशक प्रो. एचसी गर्ग व उपनिदेशक प्रो. दीपक केडिया ने वेबिनार का संयोजन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमे इनोवेशन, इनक्यूबेशन और स्टार्ट-अप पर ध्यान देना होगा। यह पेटेंट फाइल करने में सहायक होंगी। इस अवसर पर डीन एफईटी प्रो. सरोज, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. आशीष अग्रवाल, मुकेश कुमार, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल उपस्थित रहे।

भारत में पेटेंट फाइलिंग की जबरदस्त संभावनाएं : कुलपति

हिसार/19 मार्च/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से 'आइपी-अवेक: पेटेंट फाइलिंग, प्रॉसिक्यूशन, एन्फोर्समैंट इन इंडिया एंड कॉमर्शियलाइजेशन' विषय पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा थे। एनआरडीसी विशाखापटनम के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं ऑफिसर इंचार्ज डॉ. बिजया के साहू व हरियाणा सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा वैबीनार के मुख्य वक्ता थे। सैंटर के निदेशक प्रो. एचसी गर्ग व उप निदेशक प्रो. दीपक केडिया ने वैबीनार का संयोजन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें इनोवेशन, इनक्यूबेशन और स्टार्ट-अप पर ध्यान देना होगा। यह पेटेंट फाइल करने में सहायक होंगी। पेटेंट फाइल करने में केवल शोधार्थी व शिक्षक ही नहीं, बल्कि स्नात्तक व स्नात्तकोत्तर के विद्यार्थी भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें समाज के लिए उपयोगी नए-नए उत्पादों का विकास करना चाहिए तथा उनसे संबंधित पेटेंट फाइल करने चाहिएं। पेटेंट फाइलिंग के लिए भारत में तेजी से कार्य किए जाने की जरूरत है। भारत में पेटेंट फाइलिंग की जबरदस्त संभावनाएं हैं। मुख्य वक्ता डॉ. बिजया के साहू ने बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने केन्द्र सरकार की पेटेंट की नीतियों, इनोवेशन, स्टार्ट अप व पेटेंट फाइलिंग में एनआरडीसी की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों से कहा कि संयुक्त सहभागिता, प्रोटेक्शन एवं कॉमर्शिलाइजेशन ऑफ इनोवेटिव आइडिया पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मुख्य वक्ता डॉ. राहुल तनेजा ने पेटेंट फाइल करना, पेटेंट सर्च करना व आगे की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पेटेंट फाइल करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारा नया आइडिया और पेटेंट किसी मान्यता प्राप्त संस्थान के माध्यम से फाइल होना चाहिए। इसमें प्लेगरिजम का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के विस्तारपूर्वक उत्तर भी दिए। वैबीनार के संयोजक प्रो. एचसी गर्ग व प्रो. दीपक केडिया ने बताया कि वैबीनार में 139 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। यह वैबीनार प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। इस अवसर पर डीन एफईटी प्रो. सरोज, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. आशीष अग्रवाल, निदेशक कंप्यूटर सैंटर के मुकेश कुमार, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल सहित संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है, यह कभी समाप्त नहीं हो सकती: प्रो. ऊषा

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम सम्पन्न

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में 'अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग' विषय पर चल रहा कौशल विकास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप द्वारा विश्वविद्यालय में गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एचसी गर्ग ने की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ वरिष्ठ नागरिक परिषद, मानव संसाधन विकास, चंडीगढ़ के प्रबंधक निदेशक प्रो. शीतल प्रकाश, प्रो. बी.बी. शर्मा व कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया उपस्थित रहे। प्रो. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है यह कभी समाप्त नहीं हो सकती। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार गैरशिक्षक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका मानना है कि अगर विश्वविद्यालय के कर्मचारी प्रशिक्षित व ज्ञानवान नहीं होंगे तो विवि आगे नहीं बढ़ सकता। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने कहा कि कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने इस अवसर पर अपने अनुभव सांझा किए। प्रो. गर्ग ने कहा कि यह कार्यक्रम एक सफल आयोजन रहा। कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया ने कहा कि कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 16 प्रतिभागी प्रदेश व अन्य राज्यों से शामिल हुए। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जीजेयू हिसार में कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रो. शीतल प्रकाश को सम्मानित करंती प्रो. ऊषा अरोड़ा एवं अन्य।

अकाउंटिंग व बुक कीपिंग अहम विषय : प्रो. ऊषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

गुजवि के सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप द्वारा

- गुजवि में तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम सम्पन्न

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करती मुख्यातिथि प्रो. ऊषा अरोड़ा व अन्य।

विश्वविद्यालय में गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग विषय पर चल रहा तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-2 में हुए समापन समारोह में प्रो. ऊषा अरोड़ा मुख्यअतिथि की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि अकाऊंटिंग एंड बुक कीपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सिखना एक निरन्तर प्रक्रिया है यह कभी समाप्त नहीं हो सकती। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने कहा कि इस कार्यक्रम की तीन दिन की समयावधि कम है। इस प्रकार के कार्यक्रम लम्बी अवधि के होने चाहिएं। गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत कम संख्या में होते हैं। कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया ने कहा कि कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 16 प्रतिभागी प्रदेश व अन्य राज्यों से शामिल हुए। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी प्रिंसीपल एंड प्रेक्टिसिस ऑफ बुक-कीपिंग एंड अकाऊंटिंग पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अकाऊंटस व ऑडिट से सम्बंधित नियमों की पुस्तक भेंट की गई। कार्यक्रम में प्रिंसीपल एंड प्रेक्टिसिस ऑफ बुक-कीपिंग एंड अकाऊंटिंग, बेसिक अकाऊंट बुक्स एंड देयर मेंटेनेंस, प्रिप्रेशन एंड प्रौसेसिंग ऑफ बिल्स फॉर पेमेंट्स, सिंगल एंड डबल एंट्री सिस्टम्स ऑफ अकाऊंटिंग, स्टोर परचेज एंड इनवेंटरी मैनेजमैंट, पे फिक्सेशन, लीव इनटाइटलमैंटस एंड रिटायरमेंट बेनिफिट्स, पेमेंट ऑफ सेलरी, पेमेंट ऑफ टीए/डीए इनक्लुडिंग एलटीसी, परमानेंट एंड टेम्परेरी एंडवांसिज एंड देयर एडजस्टमेंटस, स्टूडेंटस फीस एंड एग्जामिनेशन रिलेटिड रिसीटस एंड पेमेंटस, बजटिंग, अकाऊंट स्टेटमेंटस एंड बैलेंस शीट, ऑडिट आब्जेक्शन्स एंड देयर डिस्पोजल, कंप्यूटर एप्लीकेशंस व प्रश्नोत्तरी विषय शामिल थे।

[गु]जवि में अकाऊंटिंग एंड बुक कीपिंग पर आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम सं[पन्न]

[हिसा]र/13 फरवरी/रिपोर्टर

[गुरु] जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी [विश्व]विद्यालय के सैंटर फॉर इंडस्ट्री [इंस्टी]ट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से [विश्व]विद्यालय में गैरशिक्षक कर्मचारियों [के लिए] 'अकाऊंटिंग एंड बुक कीपिंग' [विषय] पर चल रहा तीन दिवसीय कौशल [विकास] कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। [विश्व]विद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह [सभा]गार के सेमीनार हाल-2 में हुए [स]मापन समारोह की मुख्यातिथि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैंटर कोर्यक्रम समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ वरिष्ठ नागरिक परिषद, मानव संसाधन विकास, चण्डीगढ़ के प्रबंधक निदेशक प्रो. शीतल प्रकाश, प्रो. बीबी शर्मा व कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया उपस्थित रहे। मुख्यातिथि प्रो. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि अकाऊंटिंग एंड बुक कीपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है यह कभी समाप्त नहीं हो सकती। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार गैरशिक्षक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका मानना है कि अगर विश्वविद्यालय के कर्मचारी प्रशिक्षित व [कुशल] नहीं होंगे तो विश्वविद्यालय [आगे नहीं] बढ़ सकता। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने कहा कि कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने इस अवसर पर अपने अनुभव सांझा किए। प्रतिभागियों ने कहा कि इस कार्यक्रम की तीन दिन की समयावधि कम है। इस प्रकार के कार्यक्रम लम्बी अवधि के होने चाहिएं। गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत कम संख्या में होते हैं। गैरशिक्षक कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार होने चाहिएं। प्रो. गर्ग ने कहा कि यह कार्यक्रम एक सफल आयोजन रहा। इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी करवाए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया ने कहा कि कार्यक्रम में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 16 प्रतिभागी प्रदेश व अन्य राज्यों से शामिल हुए। कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1000 रूपये नकद व प्रिंसीपल एंड प्रेक्टिसिस ऑफ बुक-कीपिंग एंड अकाऊंटिंग पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अकाऊंटस व ऑडिट से सम्बंधित नियमों की पुस्तक भेंट की गई। कार्यक्रम में प्रिंसीपल एंड प्रेक्टिसिस ऑफ बुक-कीपिंग एंड अकाऊंटिंग, बेसिक अकाऊंट बुक्स एंड मेंटेनेंस, प्रिप्रेशन एंड प्रोसेसिंग [ऑफ] बिल्स फॉर पेमेंटस, सिंगल एंड एंट्री सिस्टम्स ऑफ अकाऊंटिंग, [स्टोर] प्रचेज एंड इनवेंटरी मैनेजमैं[ट], फिक्सेशन, लीव इनटाइटलमैंट[स एंड] रिटायरमेंट बेनिफिट्स, पेमेंट [ऑफ] सेलरी, पेमेंट ऑफ टीए/डीए इन[क्लुडिंग] एलटीसी, परमानेंट एंड [टेम्परेरी] एंडवांसिज एंड देयर एडजस[्टमेंटस], स्टूडेंटस फीस एंड एग्जा[मिनेशन] रिलेटिड रिसीटस एंड पेमेंटस, [बजटिंग], अकाऊंट स्टेटमेंटस एंड बैलेंस [शीट], ऑडिट आब्जेक्शन्स एंड [देयर] डिस्पोजल, कंप्यूटर एप्जीके[शंस व] प्रश्नोत्तरी विषय शामिल थे।

अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय-अरोड़ा

हिसार, 13 फरवरी (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सैंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से विश्वविद्यालय में गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए 'अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग' विषय पर चल रहा तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-2 में हुए समापन समारोह की मुख्यातिथि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैंटर कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एच.सी. गर्ग ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ वरिष्ठ नागरिक परिषद, मानव संसाधन विकास, चण्डीगढ़ के प्रबंधक निदेशक प्रो. शीतल प्रकाश, प्रो. बी.बी. शर्मा व कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया उपस्थित रहे। मुख्यातिथि प्रो. ऊषा अरोड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि अकाउंटिंग एंड बुक कीपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सीखना एक निरन्तर प्रक्रिया है यह कभी समाप्त नहीं हो सकती। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार गैरशिक्षक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका मानना है कि अगर विश्वविद्यालय के कर्मचारी प्रशिक्षित व ज्ञानवान नहीं होंगे तो विश्वविद्यालय आगे नहीं बढ़ सकता।

'रिसर्च आइडियाज टुवार्ड्स पेटैंट' विषय पर वैबिनार का आयोजन

हिसार, 7 फरवरी (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से 'रिसर्च आइडियाज टुवार्ड्स पेटैंट' विषय पर एक दिवसीय वैबिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज वैबिनार के मुख्य अतिथि थे।

भारत सरकार के पेटैंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क विभाग के उपनियंत्रक समीर कुमार स्वरूप वैबिनार के मुख्य वक्ता थे। भारत सरकार की कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मंत्रालय के पेटैंट कार्यालय के पेटैंट एवं डिजाइन परीक्षक शैलेंद्र सिंह व योगेश सचन ने वक्ताओं के रूप में वैबिनार में भाग लिया। सैंटर के निदेशक प्रो. एच.सी. गर्ग व उपनिदेशक प्रो. दीपक केडिया ने वैबिनार का समन्वय किया।

कुलपति ने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक पूंजी वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। देश में नवाचार की संस्कृति केंद्र में आ रही है। भारत अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णत: तैयार है। पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल इनोवेशन इंडैक्स में इसकी बेहतर रैंकिंग में यह परिलक्षित हुआ है। आईपीआर में पेटैंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन व कॉपीराइट सहित विभिन्न वर्टिकल हैं, जहां पहलुओं के बारे में शैक्षणिक समुदाय में दूसरों की तुलना में अधिक बात की जाती है।

उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर से विद्यार्थियों में एक रचनाकार के अधिकारों के बारे में मूलभूत जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता समीर कुमार स्वरूप ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वक्ता शैलेंद्र सिंह ने पेटैंट खोज व विश्लेषण, शुरुआती लोगों के लिए पेटैंट ड्राफ्टिंग, पेटैंट योग्य विषय वस्तु, पेटैंट निर्माण के लिए रोडमैप, कब प्रकाशित करना है और कब पेटैंट कराना है, पर प्रकाश डाला।

निदेशक प्रो. एच.सी. गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय को 12 पेटैंट दिए गए हैं, 11 पेटैंट जांच के अधीन हैं, 7 पेटैंट प्रकाशित किए गए हैं तथा 2 पेटैंट हाल ही में दायर किए गए हैं।

देश में नवाचार की संस्कृति केंद्र में आ रही : प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक पूंजी वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। देश में नवाचार की संस्कृति केंद्र में आ रही है। भारत अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है।

वह सेंटर फार इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप के सौजन्य से आयोजित रिसर्च आइडियाज टुवार्ड्स पेटेंट विषय पर वेबिनार में बोल रहे थे। इसमें कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। केंद्र सरकार के पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क विभाग के उपनियंत्रक समीर कुमार स्वरूप वेबिनार के मुख्य वक्ता रहे। भारत सरकार की कामर्स एंड इंडस्ट्री मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय के पेटेंट एवं डिजाइन परीक्षक शैलेंद्र सिंह व योगेश सचन ने वक्ताओं के रूप में वेबिनार में भाग लिया। सेंटर के निदेशक प्रो. एचसी गर्ग व उपनिदेशक प्रो. दीपक केडिया ने वेबिनार का समन्वय किया। कुलपति ने कहा कि स्कूली स्तर से विद्यार्थियों में रचनाकार के अधिकारों के बारे में मूलभूत जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थी पेशेवर दुनिया में जाने के लिए आगे बढ़ेंगे जहां वे आईपी अधिकारों का विकास एवं प्रयोग करेंगे। इसे शैक्षणिक दृष्टिकोण में बढ़ते परिष्कार के साथ स्कूल व विवि स्तर पर शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

*****